

A note on l. 10.] This is explained as signifying, the ornamented arch of a gateway. Some interpret it, the outer gate.

For घस्तनञ्, l. 12.] read घस्तिनञ्.

- P. 74. Add to note 1.] And निश्चेणिः, or निश्चेणी.  
On अधिरोहिणी, l. 1.] Also अधिरोहिणी.  
Or संकरः, l. 3.] Likewise संकारः.  
On l. 5.] The passage in, or out of a house, town or market. The road of ingress and egress. The entrance through the house-door  
On l. 6.] Place for diversion outside of a town : or within it.  
On आभीरपत्नी, l. 11.] Also आभीरपत्निः.  
Over पक्वण, l. 12.] for m, read m. n.
- P. 75. On महीधः, l. 1.] Likewise महिधः, and महीधर.  
For द्वाभट्ट, l. 1.] read द्वाभट्टा.  
On चक्रवालः, l. 3.] Also चक्रवाडः.  
In the margin l. 4.] For † त्रि त् read † त्रि द.  
In the margin l. 9.] For \* - त् read \* - द.
- P. 76. For च्युता, l. 8.] read च्युताः.
- P. 83. For गुडफल, l. 10.] read गुडफलः.
- P. 86. For सुवावृक्षो, l. 4.] read सुवावृक्षो.  
For तिंटकीः note 7.] read तिंटकी.
- P. 88. Add to note 2.] M. Kauki.
- P. 95. For मिण्णी, l. 4.] read मिण्णी.  
धधर